# तेलंगाना में 5.3 तीव्रता का भूकंप

[स्रोत: TH](#)

**तेलंगाना के एतुरनगरम वन** क्षेत्र में **5.3 तीव्रता का भूकंप** आया, जिसका केंद्र बिंदु ज़मीन से 40 किलोमीटर गहराई में था। **यह भूकंप ऐतिहासिक रूप से भूकंपीय गोदावरी फॉल्ट सिस्टम** से जुड़ा हुआ था।

- **वारंगल, भद्राचलम, खम्मम और विजयवाड़ा** सहित कई क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस किये गए।
- **भारत की भूकंपीय गतिविधि को** चार क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है, अर्थात् **जोन II, जोन III, जोन IV** और **जोन V।**
  - **जोन V सबसे अधिक भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र है, जबकि जोन II सबसे कम है** । तेलंगाना **जोन II** में आता है, जो कम भूकंपीय गतिविधि को दर्शाता है।
  - भारत का कुल **59% भू-भाग अलग-अलग तीव्रता के भूकंपों** के लिये संवेदनशील है।

//

# भूकंप

## के बारे में

- पृथ्वी का कंपन; ऊर्जा के निकलने के कारण तरंगे उत्पन्न होती हैं, जो सभी दिशाओं में फैलकर भूकंप लाती हैं

## अवकेंद्र (Hypocenter)

- वह स्थान जहाँ भूकंप का उद्गम होता है ( पृथ्वी की सतह के नीचे )

## अधिकेंद्र (Epicenter)

- अवकेंद्र के समीपस्थ स्थान ( पृथ्वी की सतह पर )

## भूकंपीय तरंगें

- भूगर्भिक तरंगें: पृथ्वी के अंदरूनी भाग से होकर सभी दिशाओं में आगे बढ़ती हैं।
  - P तरंगें: तीव्र गति से चलती हैं, ध्वनि तरंगों जैसी होती हैं, गैस, तरल व ठोस तीनों प्रकार के पदार्थों से गुज़र सकती हैं।
  - S तरंगें: धरातल पर कुछ समय अंतराल के बाद पहुँचती हैं, केवल ठोस पदार्थों के ही माध्यम से चलती हैं।
- धरातलीय तरंगें: भूकंपलेखी ( सिस्मोग्राफ ) पर अंत में अभिलेखित होती हैं, अधिक विनाशकारी, शैलों/चट्टानों के विस्थापन का कारण बनती हैं
  - लव तरंगे: लंबवत् विस्थापन के बिना S-तरंगों के समान गति ( क्षैतिज ), क्षैतिज गति प्रसार की दिशा के लंबवत्, रेले तरंगों की तुलना में तीव्र गति
  - रेले तरंगें: भूमि पर दीर्घवृत्ताकार पथ में दोलन उत्पन्न करती हैं, सभी भूकंपीय तरंगों में से अधिकांश के प्रसार का कारण बनती हैं, एक ऊर्ध्वाधर ताल में लंबवत् व क्षैतिज रूप से गति करती हैं

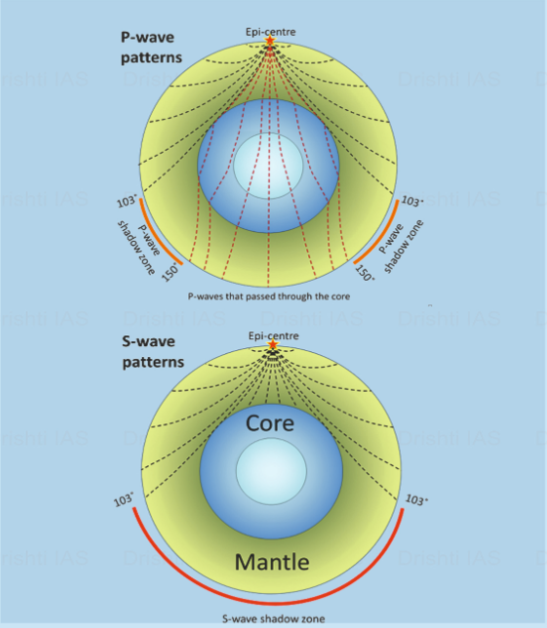


## भूकंप के कारण

- किसी भ्रंश/भ्रंश ज़ोन के किनारे-किनारे ऊर्जा का निर्मुक्त होना ( भूपर्पटी की शिलों में दरारें )
- टेक्टोनिक प्लेटों का संचलन ( सबसे सामान्य कारण )
- ज्वालामुखी विस्फोट ( शैल के तनाव में परिवर्तन - मैग्मा का अन्त:क्षेपण/निकासी )
- मानवीय गतिविधियाँ ( खनन, रसायनों/परमाणु उपकरणों का विस्फोटन आदि )

## भारत में भूकंप

- तकनीकी रूप से सक्रिय पर्वतों- हिमालय की उपस्थिति के कारण भारत भूकंप से अत्यंत प्रभावित देशों में से एक है।
- भारत को 4 भूकंपीय क्षेत्रों ( II, III, IV, और V ) में विभाजित किया गया है।

## भूकंप का मापन

- भूकंपमापी (Seismometer)- भूकंपीय तरंगों को मापता है
- रिक्टर पैमाना (Richter Scale)- परिमाण को मापता है ( निर्मुक्त ऊर्जा; सीमा: 0-10 )
- मरकैली (Mercalli)- तीव्रता को मापता है ( दृश्यमान क्षति; सीमा: 1-12 )

## वितरण

- परि-प्रशांत मेखला (Circum-Pacific Belt)- सभी भूकंपों का 81%
- अल्पाइड भूकंप मेखला (Alpide Earthquake Belt)- सबसे बड़े भूकंपों का 17%
- मध्य अटलांटिक कटक (Mid-Atlantic Ridge)- अधिकांशत: जल के नीचे डूबा हुआ

Drishti IAS

**और पढ़ें:** [भूकंप के प्रकार और कारण]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/5-3-magnitude-earthquake-strikes-telangana